अमृत वचन

प्रतीक गोयल
C/o पंकज गर्ग
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की।

※ आत्म विश्वास सरीखा दूसरा मित्र नहीं, आत्मविश्वास ही भावी उन्नति की प्रथम सीढ़ी है।
स्वामी विवेकानन्द

※ वही उन्नति कर सकता है, जो स्वयं अपने को उपदेश देता है।
स्वामी रामतीर्थ

※ करूणा हमें अभाव या कष्ट से ऊपर उठने के लिये निश्चित कर्म की ओर अग्रसर करती है।
इन्दिरा गांधी

※ राजनीति कहती है, हाथ आये दुश्मन को छोड़ना और अपनी हार खरीदना एक ही वस्तु के दो नाम हैं।
डिजरामली

※ आध्यात्मिक शक्ति भौतिक शक्ति से बढ़कर है, विचार ही संसार पर शासन करते हैं।
एमर्सन

※ अनुष्ठान से अनुग्रह प्राप्त होता है।
सत्य साई बाबा

※ मनुष्य की प्रतिष्ठा इमानदारी पर निर्भर है।
श्री राम शर्मा आचार्य

※ एकता से हमारा अस्तित्व कायम रहता है, विभाजन से हमारा पतन होता है।
जान डिकिन्सन

※ सबसे अच्छा मनुष्य वह है, जो प्रगति के लिये सबसे अधिक श्रम करता है।
सुकरात

※ कुरीति के आधीन होना कायरता है, उसका विरोध करना पुरूषार्थ है।
महात्मा गांधी

※ गल्ती कर देना मामूली बात है, पर उसे स्वीकार कर लेना बड़ी बात है।
मुनि गणेश वर्णी

※ ''आपत्ति'' मनुष्य बनाती है और सम्पत्ति ''राक्षस''
विक्टर हमूगो

※ बुद्धि की शक्ति उसके उपयोग में है, विश्राम में नहीं।
अलेक्जेण्डर पोप

※ प्रतिष्ठा बनाने में कई वर्ष लग जाते हैं, कलंक एक पल में लग जाता है।
सुदर्शन

※ ईमानदार व्यक्ति ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट कृति है
पोप

※ भाग्य बिगड़ने पर सगे भी पराये हो जाते हैं, अन्धकार में छाया भी साथ छोड़ देती है
लक्ष्मीनारायण मिश्र

※ तीन सबसे बड़ी उपाधियां, जो मनुष्य को दी जा सकती हैं–शहीद, वीर, सन्त।
ग्लेडस्टन

※ अभागा वह है जो संसार के सबसे पवित्र धर्म कृतज्ञता को भूल जाता है।

जयशंकर प्रसाद

※ ईर्ष्या अपनी हीनता के बोध से जन्म लेती है और वह उस हीनता को दूर नहीं करती, सिर्फ दबाती है।

जेनेन्द्र

※ कुशासन के प्रति विद्रोह करना ईश्वर की आज्ञा मानना है।

फ्रेंकलिन

※ महान व्यक्ति न किसी का अपमान करता है और न उसको सहता है।

होम

※ आत्महत्या करना कायरता है।

नेपोलिन

※ अग्नि सोने को परखती है, आपत्ति वीर पुरूष को।

सेनका

※ वाणी ही मनुष्य का एक ऐसा आभूषण है, जो अन्य आभूषणों की भांति कभी नहीं घिसता।

भर्तहरि

※ अपार धनशाली कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करे तो कंगाल हो जाता है।

चाणक्य

हिंदी का सम्मान,
देश का सम्मान है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा है,
आएये हम सब मिल के
हिंदी दिवस मनाते हैं।